S-00 Roll No. ……..

MAHL–205

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य

M. A. Hindi (MAHL-12/16/17)

Second Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. लोक साहित्य का आशय स्पष्ट करते हुए इसके संरक्षण की समस्या एवं समाधान पर प्रकाश डालिए।
2. कुमाउनी लोककथाओं का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
3. गढ़वाली लोकगीतों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न प्रकारों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. गढ़वाली लोक साहित्य के वर्तमान स्वरूप एवं साहित्य पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. लोक साहित्य के अध्ययन की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
2. लोक साहित्य को किस प्रकार संरक्षित कर सकते हैं ? इसके उपायों पर प्रकाश डालिए।
3. कुमाऊँ के लोकगीतों के विभिन्न प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. गढ़वाली 'रमौल' गाथा गीत पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
5. 'जागर' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
6. एक कुमाउनी लोक कथा का वर्णन कीजिए।
7. लोक नाट्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
8. कुमाउनी 'आण' या पहेली पर एक टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

एक शब्द में उत्तर दीजिए :

1. ऋतुओं का वर्णन किस गीत में मिलता है ?

2. खुदेड़ किस प्रकार का गीत है ?
3. कुमाउनी के प्राचीनतम कवि कौन हैं ?
4. 'मेरि लटि-पटि' कविता संग्रह के रचनाकार कौन हैं ?
5. कुमाऊँ के न्यायकारी लोक देवता का नाम लिखिए।

सत्य/असत्य चुनिए :

6. गढ़वाली भाषा के प्राचीनतम रूप भोजपत्रों पर अंकित हैं।
7. 'जागर' धार्मिक विश्वासों का जीता-जागता प्रतीक नहीं है।
8. 'छपेली' शृंगार रस प्रधान युगल नृत्य है।
9. 'घुघुतिया पर्व' मकर संक्रान्ति को मनाया जाता है।
10. देवीधुरा के श्रावणी पूर्णिमा के मेले में पत्थर मारने की अनोखी परम्परा है।